an>

title: Need to undertake renovation of historic Surya Temple and other temples in Aurangabad parliamentary constituency, Bihar.

श्री सुशील कुमार सिंह (औरंगाबाद) ः बिहार के औरंगाबाद जिला के देव प्रखंड में ईलाकाल में निर्मित एक प्राचीन सूर्य मंदिर की स्थापना की गई थी, जो वर्तमान में जर्जर स्थिति में है। इस स्थान पर श्रद्धालुओं/तीर्थ यात्रियों के लिए मूलभूत सुविधाओं का अभाव है। इस पवित्र स्थल पर वर्ष में दो बार छठ महापर्व का आयोजन किया जाता है और इस अवसर पर करीब 25 लाख श्रद्धालु देश के विभिन्न क्षेत्रों से आते हैं। इस पवित्र तीर्थ स्थल पर मूलभूत सुविधाओं के अभाव के कारण तीर्थ यात्रियों को काफी कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है।

मंदिर के कई शिलालेख खिसक गए हैं और कई खिसकने के कगार पर हैं। इस मंदिर तक जाने वाली सड़क की स्थिति काफी जर्जर है। पेयजल, स्नानागर, शौचालय, यात्री निवासी, सड़क और सफाई की व्यवस्था पर्याप्त नहीं है। इसके अतिरिक्त, मेरे संसदीय क्षेत्र के गया और औरंगाबाद जिला के कोवेश्वरनाथ मंदिर, बैजुधाम, बांके धाम, केशवधाम, उमगेश्वरी माता मंदिर, गजनाधाम, दुधेश्वरनाथ मंदिर, सत्यवंदी माता मंदिर की स्थिति जर्जर है और इस संबंध में अधोहस्ताक्षरित द्वारा सरकार को तीन माह पूर्व सूचित किया गया है, परंतु अभी तक इस संबंध में समुचित कार्रवाई नहीं की गई है।

मेरा आग्रह है कि जनहित में सूर्य मंदिर देव सहित उपर्युक्त वर्णित मंदिरों के लिए सड़क, पेयजल, स्नानागार, प्रसाधन, यात्री निवास और सफाई की विशेष व्यवस्था उपलब्ध कराते हुए इन मंदिरों के मरम्मतीकरण और आधुनिकीकरण की व्यवस्था की जाये। साथ ही साथ इन मंदिरें का उन्नयन विकास और संरक्षण केन्द्र सरकार के विभागों द्वारा की जाये।